2 दिन में अंग्रेजों ने जीत का सूखा किया खत्म

मेलबोर्न क्रिकेट ग्राउंड में इंग्लैंड की ऐतिहासिक जीत ने हिला दिया टेस्ट क्रिकेट

मेलबर्न, 27 दिसंबर. मेलबर्न क्रिकेट ग्राउंड पर खेला गया बॉक्सिंग डे टेस्ट इतिहास में दर्ज हो गया, लेकिन यह इतिहास सिर्फ इंग्लैंड की जीत के लिए नहीं, बल्कि टेस्ट क्रिकेट की असहज सच्चाइयों को उजागर करने के लिए भी याद किया जाएगा।

14 साल बाद आस्ट्रेलियाई जमीन पर मिली जीत

142 ओवर में एशेज सीरीज का चौथा टेस्ट समाप्त हुआ

36 विकेट गिरे दोनों ही टीमों के चार पारियों में

50 रन दोनों टीमों का कोई बल्लेबाज नहीं बना सका

इंग्लैंड ने चौथे एशेज टेस्ट में ऑस्ट्रेलिया को महज़ दो दिन के भीतर चार विकेट से हराकर ऑस्ट्रेलियाई धरती पर 14 साल से चला आ रहा टेस्ट जीत का सूखा खत्म कर दिया। यह जीत इंग्लैंड के लिए बड़ी राहत और गर्व का पल थी, लेकिन मैच की प्रकृति ने खेल के संतुलन और भविष्य को लेकर गंभीर बहस छेड़ दी। एमसीजी जैसे प्रतिष्ठित मैदान पर, जहां पांच दिन का संघर्ष टेस्ट क्रिकेट की पहचान रहा है, वहां मैच का दो दिन में खत्म हो जाना असामान्य भी था और चिंताजनक भी। कुल 36 विकेट दो दिनों में गिरे, दोनों टीमों में से कोई भी बल्लेबाज अर्धशतक तक नहीं पहुंच सका और पूरा टेस्ट सिर्फ 852 गेंदों में समाप्त हो गया। यह आंकड़े अपने आप में बताते हैं कि मैच में गेंद और बल्ले के बीच संतुलन पूरी तरह बिगड़ा हुआ था। इंग्लैंड ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी का फैसला किया और ऑस्ट्रेलिया की पहली पारी 152 रन पर सिमट गई। जवाब में इंग्लैंड भी ज्यादा देर टिक नहीं पाया और 110 रन पर ऑलआउट हो गया, जिससे ऑस्ट्रेलिया को मामूली बढ़त मिली। हालांकि दूसरी पारी में ऑस्ट्रेलियाई बल्लेबाजी पूरी तरह चरमरा गई और टीम 132 रन पर ढेर हो गई। ब्रायडन कार्स, बेन स्टोक्स और गस एटकिंसन की सटीक और आक्रामक गेंदबाजी के सामने कंगारू बल्लेबाजों के पास कोई जवाब नहीं था। 175 रनों के लक्ष्य का पीछा करना भी आसान नहीं था। पिच लगातार सीम मूवमेंट दे रही थी और हर ओवर में विकेट गिरने का खतरा बना हुआ था। बेन डकेट और जैक क्रॉली ने तेज शुरुआत दी, जबकि जैकब बेथेल ने दबाव में 40 रन बनाकर पारी को संभाला। अंत में हैरी ब्रूक और जेमी स्मिथ ने संयम दिखाया और इंग्लैंड को छह विकेट से जीत दिला दी।

तीसरे अंपायर के फैसले पर जमकर हुआ बवाल

ऑस्ट्रेलिया और इंग्लैंड का चौथा एशेज टेस्ट मेलबर्न में खेला गया, जो 2 दिन भी नहीं चल पाया. इस मुकाबले के दूसरे दिन मार्नस लाबुशेन के विकेट को लेकर जमकर बवाल हुआ. लाबुशेन दूसरी पारी में 18 गेंदों में 8 रन बनाकर आउट हो गए थे, लेकिन जो रूट ने उनका कैच क्लीन तरीके से पक?ा या नहीं, इस पर खूब बवाल मचा. क्या यही एक कैच ऑस्ट्रेलिया की हार का कारण बना? यह मामला ऑस्ट्रेलिया की दूसरी पारी के 18वें ओवर का है. जोश टंग गेंदबाजी करने आए और ओवर की पहली ही गेंद बल्ले का किनारा लेकर स्लिप में चली गई. स्लिप पोजीशन पर मौजूद जो रूट ने कैच ली, जिसके बाद इंग्लैंड की पूरी टीम ने अपील कर दी. लाबुशेन अपनी जगह से हिले भी नहीं क्योंकि उनके मन में संदेह था कि कैच ठीक से नहीं ली गई है. ग्राउंड अंपायर ने फैसला तीसरे अंपायर के ऊपर छो? दिया. वीडियो रिव्यू में अलग-अलग एंगल से जांच के बाद तीसरे अंपायर ने माना कि जो रूट की उंगलियां गेंद के नीचे थीं, इसलिए लाबुशेन को आउट करार दिया गया. दूसरी ओर लाबुशेन इस फैसले से नाखुश दिखे और निराश होकर ड्रेसिंग रूम लौट गए.

स्टोक्स ने इंग्लैंड के बहादुर जवाब की तारीफ की

इंग्लैंड के कप्तान बेन स्टोक्स ने ऑस्ट्रेलिया पर मेलबर्न में बॉक्सिंग डे टेस्ट में अपनी ऐतिहासिक जीत में साहस और बहादुरी दिखाने के लिए अपनी टीम की तारीफ की और बताया कि चौथे टेस्ट से पहले मुश्किल हालात में टीम ने कैसे जवाब दिया। रूट ने कहा, ज़ाहिर है, सीरीज हारना हमेशा बहुत निराशाजनक होता है, लेकिन मुझे लगता है कि यह बहुत जरूरी था कि हमने बाकी सीरीज के लिए बहुत ज्यादा हिम्मत दिखाई। रूट ऑस्ट्रेलिया में इंग्लैंड के 18 टेस्ट में से 17 में खेले थे। इस टीम पर बहुत कुछ फेंका गया है और जिस तरह से हमने इन दो दिनों में जवाब दिया है, वह शानदार रहा है। साफ तौर पर यह एक बहुत तेज टेस्ट मैच था, जिस पिच पर हमें खेलने का मौका मिला, लेकिन मुझे लगता है कि हमने जितना हो सका, उसके हिसाब से खुद को ढाला और जब भी मौका मिला, उसका फायदा उठाया। हमने आज बल्ले से चीज़ों को जिस तरह से संभाला, उसमें थोड़ी बहादुरी दिखाई और यही वजह है कि हमने टेस्ट मैच जीता। आप उनसे यह उम्मीद नहीं कर सकते कि वे आपको यह आसानी से दे देंगे। जैसा कि मैंने कहा, मैं यहां कई बार गलत नतीजे का सामना कर चुका हूं, इसलिए आपको पता होता है कि क्या उम्मीद करनी है।

दीप्ति शर्मा ने रचा इतिहास

उपलब्धि

- टी-20 अंतरराष्ट्रीय मैच में 1000 रन और 150 विकेट का डबल पूरा
- 333 अंतरराष्ट्रीय विकेट के साथ एलिस पेरी को छोड़ा पीछे
- महिला-पुरुष क्रिकेट में यह मुकाम हासिल करने वाली पहली भारतीय खिलाड़ी

तिरुवनंतपुरम, 27 दिसंबर. भारतीय महिला क्रिकेट टीम की स्टार ऑलराउंडर दीप्ति शर्मा ने एक बार फिर इतिहास रचते हुए खेल के सबसे बड़े नामों में अपनी जगह और पक्की कर ली है।

श्रीलंका के खिलाफ तीसरे टी-20 अंतरराष्ट्रीय मुकाबले में दीप्ति ने 1000 रन और 150 विकेट का ऐतिहासिक डबल पूरा कर लिया। वह महिला और पुरुष क्रिकेट दोनों में टी-20 अंतरराष्ट्रीय इतिहास में यह उपलब्धि हासिल करने वाली पहली भारतीय खिलाड़ी बन गई हैं। ग्रीनफील्ड अंतरराष्ट्रीय स्टेडियम, तिरुवनंतपुरम में खेले गए इस मुकाबले में दीप्ति शर्मा ने 3 विकेट देकर सिर्फ 18 रन खर्च किए। इस प्रदर्शन के साथ उन्होंने न केवल श्रीलंका की बल्लेबाजी की कमर तोड़ी, बल्कि कई बड़े रिकॉर्ड भी अपने नाम कर लिए। इसी मैच में उन्होंने अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में अपने विकेटों की संख्या 333 तक पहुंचा दी, जिससे उन्होंने ऑस्ट्रेलिया की महान ऑलराउंडर एलिस पेरी को पीछे छोड़ दिया, जिनके नाम 271 मैचों में 331 विकेट दर्ज हैं। टी-20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में दीप्ति ने यह मुकाम श्रीलंका की कविशा दिलहारी का विकेट लेकर हासिल किया। इसके तुरंत बाद उन्होंने अपना 151वां टी-20 विकेट भी लिया, जिससे वह ऑस्ट्रेलिया की मेगन शट के साथ महिला टी-20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में संयुक्त रूप से सबसे अधिक विकेट लेने वाली गेंदबाज बन गईं।

> इस उपलब्धि के साथ दीप्ति अब महिला अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में सबसे अधिक विकेट लेने वाली गेंदबाजों की सूची में तीसरे स्थान पर पहुंच गई हैं। उनसे आगे अब केवल इंग्लैंड की कैथरीन साइवर-ब्रंट और भारतीय दिग्गज झूलन गोस्वामी ही हैं। यह आंकड़ा दीप्ति की निरंतरता, फिटनेस और ऑलराउंड क्षमता को दर्शाता है, जिसने उन्हें भारतीय टीम का अभिन्न हिस्सा बना दिया है।

ऑस्ट्रेलियाई टीम में चोट बनी चिंता

टिम डेविड को हैमस्ट्रिंग में आया खिंचाव

पर्थ, 27 दिसंबर टी20 वर्ल्ड कप 2026 शुरू होने में सिर्फ़ एक महीने से ज़्यादा का समय बचा है, ऐसे में ऑस्ट्रेलियाई क्रिकेट टीम को एक चोट की चिंता सता रही है, क्योंकि पावर-हिटर टिम डेविड को शुक्रवार को बिग बैश लीग 2025-26 के एक मैच के दौरान हैमस्ट्रिंग में खिंचाव आ गया।

29 साल के टिम डेविड को यह चोट पर्थ स्टेडियम में पर्थ स्कॉर्चर्स के खिलाफ होबार्ट हरिकेंस के लिए बल्लेबाजी करते समय लगी। 6'5'' की लंबी कद-काठी वाले डेविड 300 से ज़्यादा टी20 मैचों के अनुभवी खिलाड़ी हैं और ऑस्ट्रेलिया के मिडिल ऑर्डर के अहम खिलाड़ी हैं। उन्होंने ऑस्ट्रेलिया के लिए 47 टी20 मैच खेले हैं, जिसमें 32.43 की औसत और 175.04 के स्ट्राइक रेट से 1038 रन बनाए हैं।

कमिंस पर भी नजर

ऑस्ट्रेलिया वनडे और टेस्ट कप्तान पैट कमिंस की फिटनेस पर भी नजर रख रहा है, जो 7 फरवरी को भारत और श्रीलंका में शुरू होने वाले आगामी टी20 वर्ल्ड कप से पहले पूरी तरह से ठीक होने की कोशिश कर रहे हैं।

एक नजर में

सफेद गेंद क्रिकेट में वापसी की तैयारी में पंत

बेंगलुरु. बीसीसीआई के सेंटर ऑफ एक्सीलेंस से क्षितिज पर एक एयरपोर्ट रनवे दिखाई देता है। विमानों के उड़ान भरने की आवाज जमीन तक नहीं पहुँचती, लेकिन नज़ारा दिखता है। गुजरात द्वारा पहले बल्लेबाजी करने के लिए कहे जाने के बाद दिल्ली की पारी के अधिकांश समय - ऋषभ पंत खुद उड़ान भरने के लिए तैयार थे। लेकिन वह संयमित रहे, 20वें ओवर में 98 रन पर 3 विकेट गिरने के बाद मैदान पर आए थे। बेंगलुरु के बाहरी इलाके में, बड़ी भीड़ या ट्रैफिक की अनुपस्थिति में, खेल की गति बीच में आने वाली आवाज़ों से तय होती है- गेंदबाज के दौड़ने पर बल्ले की आवाज, फील्डरों का अपील के लिए ज़ोर से चिल्लाना, बाउंसर के बल्लेबाज के पास से गुज़रने के बाद आहें। पिच ने तेज़ गेंदबाजों को थोड़ी गति और उछाल दी, जिससे बल्लेबाजों के लिए जीवन और मुश्किल हो गया, जैसा कि विराट कोहली ने 29 गेंदों में अर्धशतक बनाया था। विशाल जायसवाल की शानदार लेफ्ट-आर्म स्पिन गेंदबाजी से स्टंप होने से पहले उन्होंने दिल्ली के 108 रनों में से 77 रन बनाए थे। फील्ड फैली हुई थी, और दिल्ली के बल्लेबाजों के खत्म होने का खतरा था, ऐसे में पंत के लिए टिके रहना महत्वपूर्ण था, क्योंकि कोई राहत नजर नहीं आ रही थी। उन्होंने ज़्यादातर गेंदों को इन-फील्डरों के पास से निकालकर सिंगल लिए और 20 और फिर 30 रन बनाए।

मैच से पहले कोच को आया हार्ट अटैक, मौत

नई दिल्ली,. बांग्लादेश प्रीमियर लीग शुक्रवार, 26 दिसंबर से शुरू हुआ है, आज लीग के दूसरे दिन एक दुखद खबर आई. शनिवार को लीग का तीसरा मैच राजशाही और ढाका कैपिटल्स के बीच था, जिसके शुरू होने से पहले ही ढाका कैपिटल्स के सहायक कोच महबूब अली जकी अचानक मैदान पर गिर गए. सपोर्टिंग स्टाफ ने दी कोच को सीपीआर दी गई, फिर अस्पताल ले जाया गया. लेकिन उन्हें बचाया नहीं जा सका. बांग्लादेश प्रीमियर लीग 2025-26 संस्करण में अपने मैच से पहले सिलहट इंटरनेशनल क्रिकेट स्टेडियम में ढाका कैपिटल्स की टीम अभ्यास कर रही थी. रिपोर्ट के मुताबिक महबूब अली ने टीम की तैयारियों के बारे में भी बात की. उन्होंने आज मैच से पहले प्री-मैच ड्रिल में हिस्सा भी लिया था, लेकिन तब वह अचानक मैदान पर बेहोश होकर गिर पड़े. वहां मौजूद सपोर्ट स्टाफ द्वारा उन्हें तत्काल चिकित्सा सहायता प्रदान की गई, सीपीआर भी दिया गया. उन्हें अस्पताल ले जाया गया, जहां उन्हें मृत घोषित किया गया.

भाई-बहन ने शतरंज में जीते मास्टर खिताब

हैदराबाद. भारतीय शतरंज के इतिहास में 10 साल के जुड़वां भाई-बहन अनाय और अमाया अग्रवाल ने एक ही साल में शतरंज मास्टर खिताब हासिल करने वाले सबसे कम उम्र के जुड़वां बनकर रिकॉर्ड बुक में अपना नाम दर्ज कराया है। हैदराबाद में जन्मे भाई-बहन, जो इंडस इंटरनेशनल स्कूल के छात्र हैं, ने अंतरराष्ट्रीय स्तर पर लगातार अच्छे प्रदर्शन कर यह उपलब्धियां हासिल कीं। अनाय ने कैंडिडेट मास्टर (सीएम) का खिताब जीता, जबकि उनकी जुड़वां बहन अमाया ने इस साल की शुरुआत में वुमेन्स कैंडिडेट मास्टर (डब्ल्यूसीएम) का खिताब हासिल किया था। अमाया की सफलता से प्रेरित होकर, अनाय ने अक्टूबर में यूरोपियन क्लब चैंपियनशिप में अपना सीएम खिताब जीता। उन्होंने मजबूत अंतरराष्ट्रीय प्रतिद्वंद्वियों का सामना किया और ग्लोबल शतरंज में भारत की बढ़ती ताकत को दिखाया।

तिलोत्तमा सेन ने स्वर्ण पर लगाया निशाना

68वीं राष्ट्रीय निशानेबाजी स्पर्धा में 50 मीटर राइफल थ्री पोजिशन फाइनल जीता

भोपाल, 27 दिसंबर. कर्नाटक की तिलोत्तमा सेन ने 68वीं राष्ट्रीय निशानेबाजी चैंपियनशिप में महिलाओं की 50 मीटर राइफल थ्री पोज़िशन फाइनल में संयमित और तकनीकी रूप से मजबूत प्रदर्शन करते हुए स्वर्ण पदक अपने नाम किया।

तिलोत्तमा ने 466.9 के स्कोर के साथ शीर्ष स्थान हासिल किया और क्वालिफिकेशन में दिखाई गई अपनी शानदार फॉर्म को फाइनल में भी बरकरार रखा। केरल की विदर्सा के विनोद ने 462.9 के स्कोर के साथ रजत पदक जीता, जबकि रेलवे की अयोनिका पॉल

ने 451.8 के स्कोर के साथ कांस्य पदक हासिल कर पोडियम पूरा किया।

> इससे पहले तिलोत्तमा ने क्वालिफिकेशन राउंड में 591-29× का स्कोर कर पहला स्थान हासिल किया था, जिससे तीनों पोज़िशनों में उनकी निरंतरता साफ झलकती है। विदर्सा 589-29× के साथ दूसरे स्थान पर रहीं, जबकि कर्नाटक की अनुष्का एच थोकुर 588-33× के साथ तीसरे स्थान पर रहीं। फाइनल में अनुष्का पदक से चूकते हुए 441.2 के स्कोर के साथ चौथे स्थान पर रहीं। आयुषी पोद्दार ने 430.6 (585-30×) के साथ पांचवां स्थान हासिल किया.

महिला हीरो हॉकी इंडिया लीग आज से

दूसरे संस्करण की मेजबानी करेगा रांची

रांची, 27 दिसंबर. महिला हीरो हॉकी इंडिया लीग के रविवार को शुरु हो रहे दूसरे संस्करण में मेजबान रांची रॉयल्स और एसजी पाइपर्स के बीच भिड़ंत होगी। टूर्नामेंट में चार फ्रेंचाइजियों में देश भर के शीर्ष प्रतिभाशाली और प्रमुख अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ी एक मैच पर प्रतिस्पर्धा करेंगे।

महिला लीग के सभी रांची के मरांग गोमके जयपाल सिंह एस्ट्रो टर्फ हॉकी स्टेडियम में खेलें जायेंगे। टूर्नामेंट में चार फ्रेंचाइजी - रांची रॉयल्स, एसजी पाइपर्स, जेएसडब्ल्यू सूरमा हॉकी क्लब और श्राची बंगाल टाइगर्स - खिताब के लिए स्पर्धा करेंगी। टूर्नामेंट डबल राउंड-रॉबिन प्रारुप में खेला जाएगा, जिसमें लीग फेज में हर टीम दूसरी टीमों से दो बार खेलेगी, जिसके बाद शीर्ष दो टीमें 10 जनवरी 2026 को ग्रैंड फाइनल के लिए क्वालीफाई करेंगी। टूर्नामेंट में 13 मैच खेले जायेंगे।

पिछले सीजन में, ओडिशा वॉरियर्स ने पहला महिला हीरो हॉकी इंडिया लीग का खिताब जीता था, जबकि जेएसडब्ल्यू सूरमा हॉकी क्लब कड़े मुकाबले के बाद उपविजेता रही थी। टूर्नामेंट में भारतीय खिलाड़ियों के अलावा नीदरलैंड, अर्जेंटीना, बेल्जियम, ऑस्ट्रेलिया, स्पेन और ग्रेट ब्रिटेन देशों के खिलाड़ी स्पर्धा के लिए मैदान में उतरेंगे।

होल्डन, नसीम ने डेजर्ट वाइपर्स को टॉप स्पॉट पर पहुंचाया

शारजाह, 27 दिसंबर. डेजर्ट वाइपर्स ने शारजाह वॉरियर्स को हराकर आईएल टी 20 पॉइंट्स टेबल में टॉप स्थान हासिल किया, जिसके परिणामस्वरूप वॉरियर्स टूर्नामेंट से बाहर हो गए। सामूहिक गेंदबाजी प्रदर्शन का नेतृत्व नसीम शाह के तीन विकेट (35 रन देकर 3 विकेट) ने किया, जिसके बाद मैक्स होल्डन ने नाबाद 65 रन बनाकर वाइपर्स को पांच विकेट और तीन गेंदें शेष रहते जीत दिलाई।

विश्वनाथ कार्तिकेय पडाकंती को पीएम राष्ट्रीय बाल पुरस्कार

नयी दिल्ली, 27 दिसंबर. भारत सरकार द्वारा 26 दिसंबर को पर्वतारोही विश्वनाथ कार्तिकेय पडाकंती को प्रधानमंत्री राष्ट्रीय बाल पुरस्कार 2025 से सम्मानित किया। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने उन्हें यह राष्ट्रीय सम्मान सातों महाद्वीपों की सर्वोच्च चोटियों पर चढ़ाई कर 7 समिट्स चैलेंज पूरा करने वाले सबसे कम उम्र के भारतीय और दुनिया के दूसरे सबसे युवा व्यक्ति बनने की उपलब्धि के लिए प्रदान किया।

7 समिट्स चैलेंज पूरा करने वाले सबसे कम उम्र के भारतीय पर्वतारोही

26 दिसंबर को हर वर्ष वीर बाल दिवस के रूप में मनाया जाता है, जो गुरु गोबिंद सिंह के साहिबजादों के बलिदान की स्मृति में समर्पित है। इसी अवसर पर राष्ट्रपति द्वारा प्रधानमंत्री राष्ट्रीय बाल पुरस्कार प्रदान किया जाता है, जो 18 वर्ष से कम आयु के बच्चों की असाधारण उपलब्धियों को छह श्रेणियों-वीरता, सामाजिक सेवा, पर्यावरण, खेल, कला एवं संस्कृति तथा विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी-में मान्यता देता है।

16 साल की उम्र में उपलब्धि

यह राष्ट्रीय सम्मान 16 वर्ष की आयु में विश्वनाथ कार्तिकेय द्वारा 7 समिट्स चैलेंज पूरा करने के लिए दिया गया है। इस चुनौती में सातों महाद्वीपों की सबसे ऊंची चोटियों- माउंट एवरेस्ट (एशिया), अकोंकागुआ (दक्षिण अमेरिका), डेनाली (उत्तरी अमेरिका), माउंट एल्ब्रुस (यूरोप), माउंट किलिमंजारो (अफ्रीका), माउंट कोसियुस्को (ऑस्ट्रेलिया) और माउंट विंसन (अंटार्कटिका)-पर सफल आरोहण शामिल है।

वर्ष 2025 महिलाओं के खेल को नई पहचान और मजबूती देने वाला रहा वर्ष

भारतीय महिलाओं ने क्रिकेट से लेकर पैरा स्पोर्ट्स तक रचे इतिहास

वर्ष 2025 भारतीय खेल जगत में महिलाओं के नाम दर्ज होकर समाप्त हुआ। क्रिकेट, शतरंज, मुक्केबाजी, हॉकी, एथलेटिक्स, डेफलिंपिक्स और पैरा खेलों सहित कई वैश्विक मंचों पर भारतीय महिला खिलाड़ियों ने ऐतिहासिक उपलब्धियां हासिल कीं। इन सफलताओं ने न केवल भारत के पदक खाते को मजबूत किया, बल्कि देश में महिलाओं के खेल की पहचान, स्वीकार्यता और दायरे को भी नए स्तर पर पहुंचाया। इस वर्ष की सबसे बड़ी उपलब्धि भारतीय महिला क्रिकेट टीम के नाम रही। हरमनप्रीत कौर की कप्तानी में भारत ने दक्षिण अफ्रीका को 52 रनों से हराकर अपना पहला आईसीसी महिला एकदिवसीय विश्व कप खिताब जीता।

क्रिकेट में एक और ऐतिहासिक पल तब आया जब भारतीय दृष्टिबाधित महिला टीम ने कोलंबो में खेले गए पहले ब्लाइंड महिला टी-20 विश्व कप का खिताब जीता। दीपिका टीसी की अगुवाई में भारत ने फाइनल में नेपाल को सात विकेट से हराया। छह देशों की भागीदारी वाले इस टूर्नामेंट में भारतीय टीम का प्रदर्शन प्रभावशाली रहा और इस जीत ने समावेशी खेलों में भारत की बढ़ती ताकत को उजागर किया।

दिव्या देशमुख ने रचा इतिहास

व्यक्तिगत उपलब्धियों की बात करें तो शतरंज में दिव्या देशमुख ने जुलाई में फिडे महिला विश्व कप जीतकर इतिहास रच दिया। वह यह प्रतिष्ठित खिताब जीतने वाली पहली भारतीय महिला बनीं। उनकी जीत ने वैश्विक शतरंज में भारत के बढ़ते प्रभाव को और मजबूत किया और महिला खिलाड़ियों की नई पीढ़ी के उभार को रेखांकित किया।

जैस्मीन और मीनाक्षी के स्वर्णिम पंच

मुक्केबाजी में भी भारतीय महिलाओं ने विश्व स्तर पर अपनी ताकत साबित की। विश्व मुक्केबाजी चैंपियनशिप 2025 में जैस्मीन लंबोरिया और मीनाक्षी हुड्डा ने स्वर्ण पदक जीते, नूपुर श्योरण ने रजत जबकि पूजा रानी ने कांस्य पदक भारत की झोली में डाला। दो बार की विश्व चैंपियन निकहत जरीन ने पूरे सत्र में निरंतरता बनाए रखते हुए भारत की गहराई को मजबूती दी।